Objectives & Principle

गुरू जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान का लक्ष्य एवं उद्देश्य जम्भवाणी एवं जाम्भाणी साहित्य के साथ विभिन्न धर्मों एवं दर्शनों का तुलनात्मक अध्ययन एवं अनुसंधान करना है जिसमें प्रमुख रूप से हिन्दू धर्म, बौद्ध, जैन, सिक्ख, इस्लाम, ईसाई व संत साहित्य इत्यादि प्रमुख हैं। विश्वविद्यालय व संस्थान का नाम महान् विभूति गुरू जम्भेश्वर महाराज होने के कारण सबसे पहले गुरू जम्भेश्वर की वाणी एवं उपदेशों, व्यक्तित्व एवं कृतित्व, विचारधारा व उनके लोककल्याणकारी सिद्धान्तों, मान्यताओं का व्यापक अध्ययन व अनुसंधान किया गया। उनके शिष्यों – प्रशिष्यों, जाम्भाणी संत परम्परा, भक्ति आंदोलन, लोक साहित्य, भारतीय धर्म परम्परा और संस्कृति तथा विश्व के सभी धर्मों का पर्यावरण की दृष्टि से अनुसंधान किया गया।

1. गुरू जम्भेश्वर जी के जीवन से संबद्ध अन्तः साक्ष्य और बर्हिः साक्ष्य रूप सामग्री का संकलन और सम्पादन तथा अनुसंधान परक अध्ययन और अध्यापन व प्रकाशन।
2. गुरू जम्भेश्वर जी के जीवन चरित्र व व्यक्तित्व और कृत्तित्व से संबंद्ध भ्रांतिपूर्ण धारणाओं का खण्डन व उनके शिष्यों प्रशिष्यों तथा जाम्भाणी सन्त परम्परा के प्रमुख सिद्धान्तों एवं उनकी मान्यताएं व तीर्थों, धामों, भण्डारों, साथरियों में भ्रमण करके संबंद्ध सामग्री का संग्रह, संकलन तथा सम्पादन व प्रकाशन।
3. मध्यकालीन भारतीय संतों एवं भक्तों का भारतीय संस्कृति में योगदान जैसे (कबीरदास, गुरू नानक, दादूदयाल, रविदास, एकनाथ, तुकाराम, संत ज्ञानेश्वर, तुलसीदास, सूरदास, मीरांबाई इत्यादि) का विस्तृत एवं व्यापक अनुसंधान।
4. ऐतिहासिक गजेटियरों, शिलालेखों, भितिलेखों, भाटों की बहियों, पट्टों, परवानों, लिखतों, विगतों व हस्तलिखित ग्रंथों का संग्रह, संकलन और सम्पादन तथा अनुसंधानपरक अध्ययन व उनका प्रकाशन।
5. गुरू जम्भेश्वर और जाम्भाणी संतों की वाणियों का भारतीय भाषाओं में अनुवाद, पाठान्तर, रूपान्तर तथा जाम्भाणी संत परम्परा का भक्ति आन्दोलन व अखिल भारतीय संत परम्परा में योगदान और आंकलन व साहित्य सामग्री का संकलन, सम्पादन व प्रकाशन।
6. बिश्नोई धर्म का उद्भव और विकास, पर्यावरण संरक्षण में योगदान एवं उनके प्रमुख सिद्धान्त, बिश्नोई धर्म का विश्व के अन्य धर्मों के साथ तुलनात्मक अध्ययन व अनुसंधान। प्रहलादपंथी परम्परा, बिश्नोई धर्म–दर्शन की मूल मान्यताएं व जम्भवाणी (सबदवाणी) का पाठान्तर और रूपान्तर सहित संकलन, सम्पादन तथा लिप्यान्तरण व साहित्य सामग्री का प्रकाशन।
7. प्रमुख भारतीय दर्शन (जिसमें सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक मीमांसा और वेदांत) उनका इतिहास व साहित्य एवं भारतीय दर्शनों का पाश्चात्य दर्शनों के साथ तुलनात्मक अध्ययन व शोधपरक मूल्यांकन व प्रकाशन।

8. भारतीय संस्कृति के प्रमुख स्त्रोत एवं साहित्य और इतिहास तथा प्रमुख विशेषताएं, विदेशी विवरण, भारतीय गौरव ग्रंथ, भारत की धरोहर, अंहिसा व विश्वशांति में योगदान और पाश्चात्य संस्कृति व सभ्यता के साथ तुलनात्मक अध्ययन व अनुसंधान।
9. विश्व की प्राचीन सभ्यताओं का उद्‌भव और विकास, उनकी मान्यताएं तथा विशेषताएं व विश्व को देन।
10. प्रमुख धर्मों के समानपक्ष दृष्टिकोण एवं उनकी आचार संहिता के नियम।
11. विश्व के सभी धर्मों का पर्यावरण की दृष्टि से अध्ययन एवं अनुसंधान तथा प्रकाशन।
12. सिक्ख धर्म और बिश्नोई धर्म का तुलनात्मक अध्ययन व अनुसंधान, हिन्दू धर्म–दर्शन के साथ इस्लाम धर्म–दर्शन का तुलनात्मक अध्ययन, बौद्ध धर्म–दर्शन और जैन धर्म–दर्शन का तुलनात्मक अध्ययन, हिन्दू धर्म–दर्शन का जैन धर्म–दर्शन और बौद्ध धर्म–दर्शन के साथ तुलनात्मक अध्ययन, इस्लाम धर्म–दर्शन का जैन धर्म–दर्शन और बौद्ध धर्म–दर्शन के साथ तुलनात्मक अध्ययन व अनुसंधान।
13. जम्भवाणी व जाम्भाणी साहित्य के दर्शन का विभिन्न धर्मों व दर्शनों के तुलनात्मक अध्ययन है जिसमें विश्व के प्रमुख धर्मों का पारस्परिक तुलनात्मक अध्ययन व अध्यापन तथा शोध–परक अनुसंधान के द्वारा तुलनात्मक धर्म–दर्शन का महत्व और उपयोगिकता तथा सार्थकता की महत्ता । धर्मों के संस्थापक एवं प्रवर्त्तक प्रमुख धर्मग्रंथ, धर्मों का परस्पर संवाद एवं चुनौतियां, प्रमुख धर्मों में समानपक्ष दृष्टिकोण।
14. भारतीय आध्यात्मिक परम्परा में नैतिकता, मानव मूल्य और जीवन व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्त्रोत।